बगदाद का हाथी

मैरी होल्म्स

किसने सोचा होगा कि शारलेमेन सम्राट की, बगदाद के खलीफा से दोस्ती के बाद उन्हें एक सफ़ेद हाथी का उपहार मिलेगा. इस बात पर विश्वास करना मुश्किल है, लेकिन यह बात सच है.

एक असाधारण कारवां में सफ़ेद हाथी अपनी पीठ पर एक विशाल घड़ी धरे, मिस्र और इटली में भूमध्य सागर पारकर फिर बर्फीले आल्प्स से होकर जर्मनी आया जहाँ वो सम्राट शारलेमेन से मिला. सम्राट अपने विदेशी नायाब पालतू जानवर से बेहद खुश हुए. उन्होंने सफ़ेद हाथी को अपने कई बच्चों से मिलवाया और वो उसे अपने महल के पास गर्म पानी के झरनों में खुद के साथ नहलाने के लिए ले गए. उन्होंने अपने हाथी को कवच पहनाया और उसकी मदद से डेनिश दुश्मनों से लड़ाई लड़ी. जब हाथी वृद्धावस्था में मरा, तो शारलेमेन का दिल टूट गया. वो इतने दुखी हुए कि वो रो पड़े.
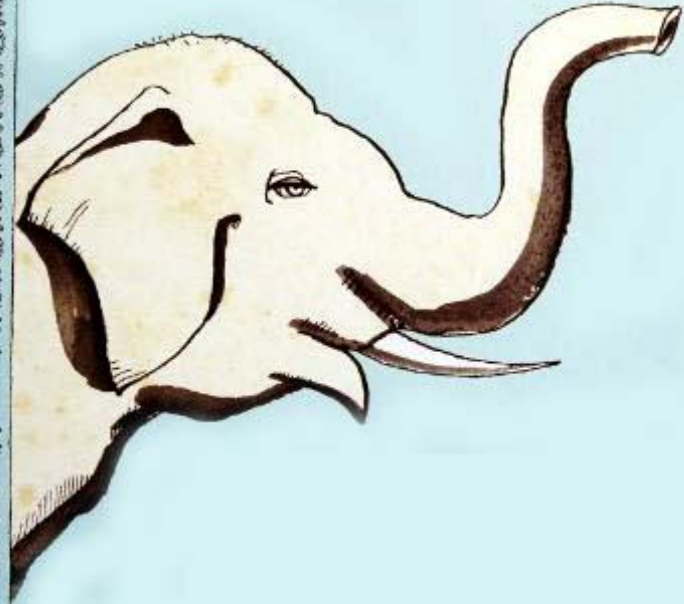
छह फीट से अधिक ऊँचे आदमी ने गर्म झरनों के पास जाकर अपने राजसी कपड़े उतारे और फिर बुदबुदाते हुए पानी में डुबकी लगाई. हाथी भी उनकी बगल में ही गर्म पानी में नहा रहा था. फिर दोनों दोस्तों ने एक-दूसरे से साथ गर्म पानी में नहाने का आनंद लिया.
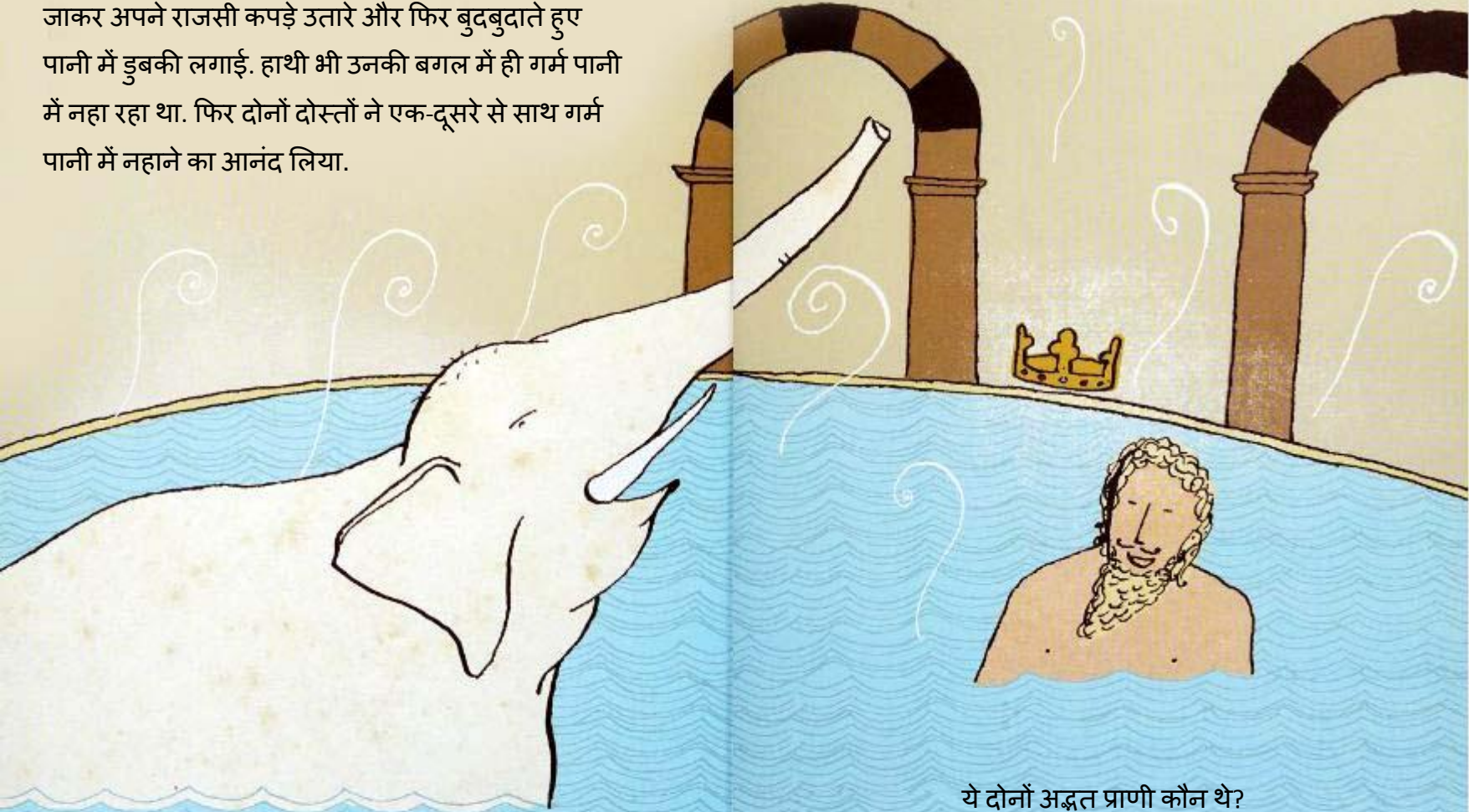
ये दोनों अद्भुत प्राणी कौन थे?
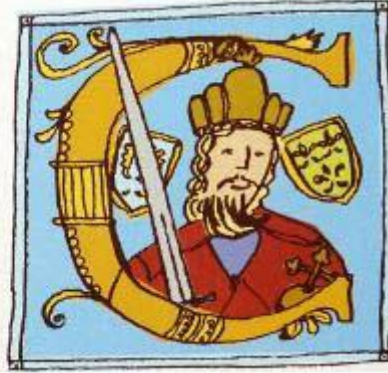
अबू शारलेमेन

उनमें से एक अबू नाम का हाथी था, जो मुस्लिम दुनिया के केंद्र बगदाद से आया था. दूसरा सम्राट शारलेमेन था, जिसने जर्मनी के प्राचीन शहर आचेन में अपने घिनौने महल से अधिकांश यूरोप पर शासन किया था. इन दोनों का एक-साथ आना कैसे संभव हुआ?

मुझसे जितना बनेगा, उतनी अच्छी तरह से यह बात मैं आपको समझाने की कोशिश करूंगा. हालांकि मैं सिर्फ एक विनम्र भिक्षु - नटकर हूँ और मैं बोलते समय हकलाता हूँ. मेरे मठाधीश ने मुझसे यह कहानी लिखने को कहा है. हां, मैं हकलाता ज़रूर हूं, लेकिन गाते समय नहीं.

ऊंचे, चौड़े कन्धों वाले, बेहद ताकतवर सम्राट शारलेमेन के बाल काले थे और उनकी मूंछें एक कान से दूसरे कान तक फैली हुई थीं. वे शक्ति प्रदर्शन के लिए हमेशा अपने साथ एक सोने की तलवार रखते थे.

राजा की ताजपोशी से समय की तलवार.

शारलेमेन

हारुन अल-रशीद
(763-809 CE)

शारलेमेन एक बहुत जिज्ञासु व्यक्ति थे. उन्होंने पूर्व (ईस्ट) में एक महान राजा के बारे में कहानियां सुनी थीं. वो उससे कुछ सीखना चाहते थे. वो शख्स बगदाद के महान खलीफा, हारुन अल-रशीद थे.

इसलिए शारलेमेन ने महान, हारुन से मिलने के लिए अपने कुछ भरोसेमंद दरबारियों को भेजा. इन दूतों ने जर्मनी से हजारों मील दूर की यात्रा की, आल्प्स पर्वतों से लेकर इटली तक, और अंत में उन्होंने भूमध्यसागर को नाव द्वारा पार किया.

जब वे यूरोपवासी बग़दाद पहुंचे, तो उन्होंने जो कुछ देखा, उसे देखकर वे चकित रह गए. वहां गलियों में गायक और संगीतकार घूम रहे थे, विद्वान आपस में बहस कर रहे थे. वहां सैकड़ों खूबसूरत इमारतें और पुस्तकालय और मस्जिदें थीं. वहां आकाश छूने वाली मीनारें थीं और दीवारों पर चमकती शानदार टाइलें थीं.
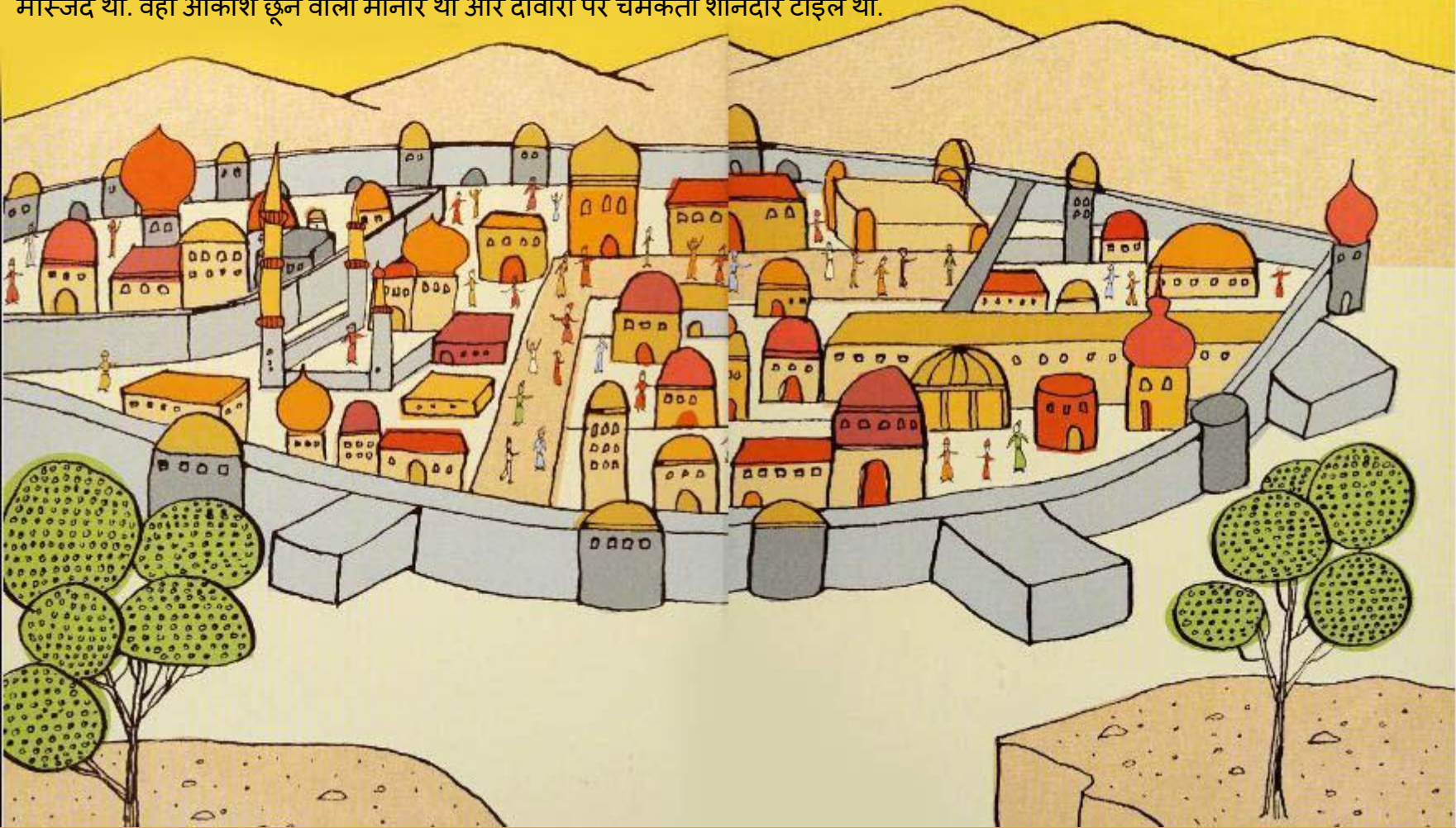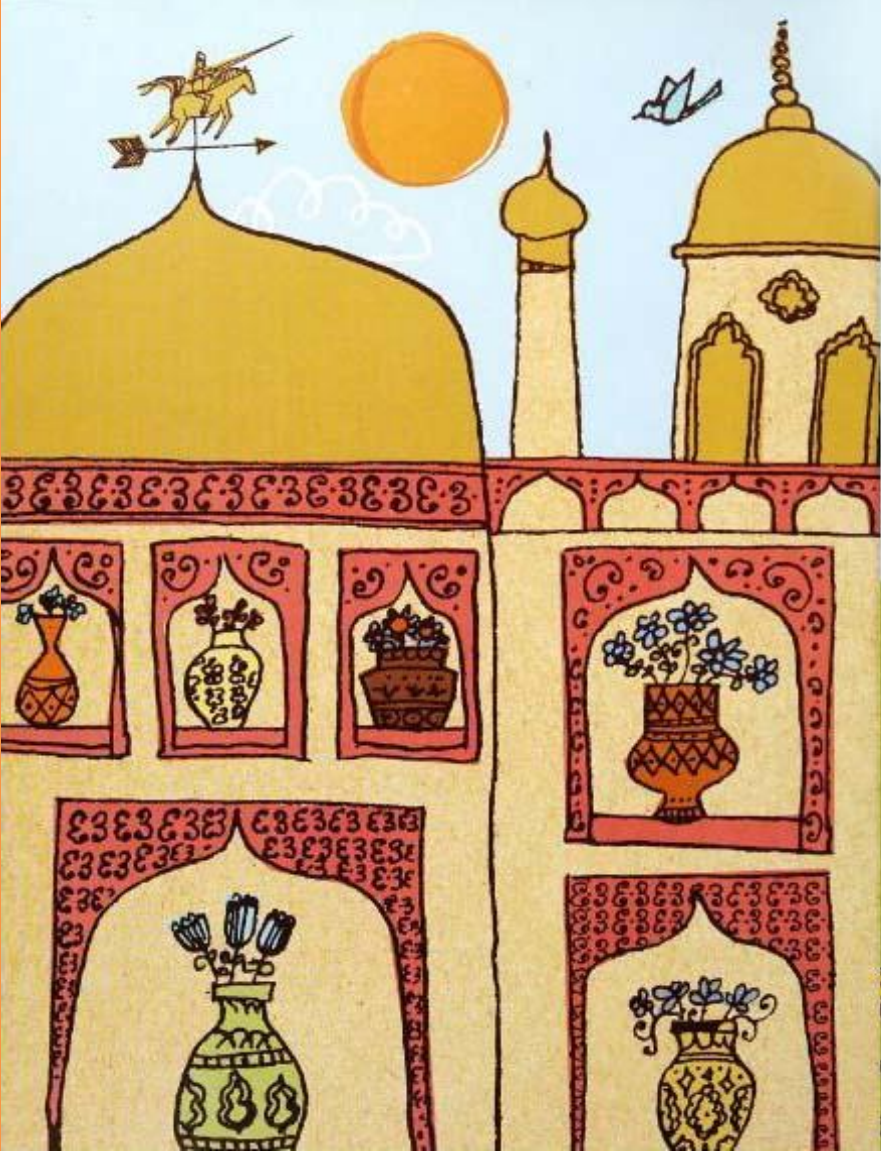
इस महान शहर के केंद्र में, हारुन अल-रशीद एक शानदार सुनहरे महल में रहते थे. उन्होंने शारलेमेन के राजदूतों का खुले दिल से स्वागत किया. शारलेमेन की तरह, हारुन भी बहुत उत्सुक थे. वे भी पश्चिम के शक्तिशाली सम्राट के बारे में सब कुछ जानना चाहते थे.
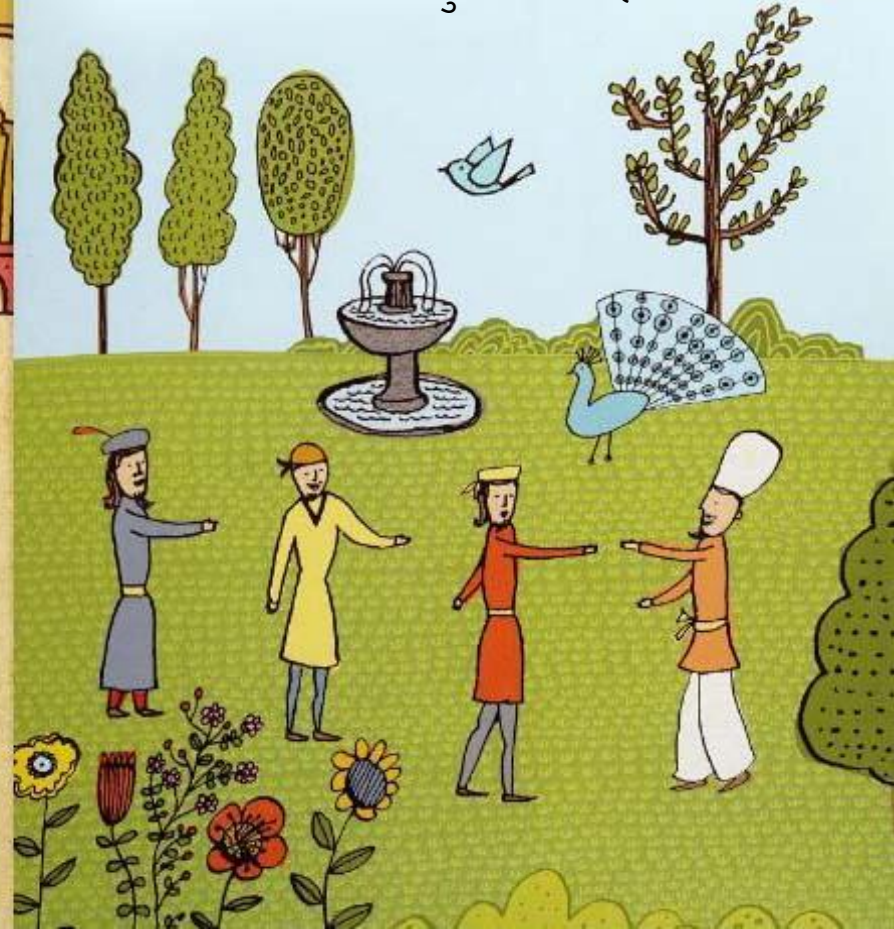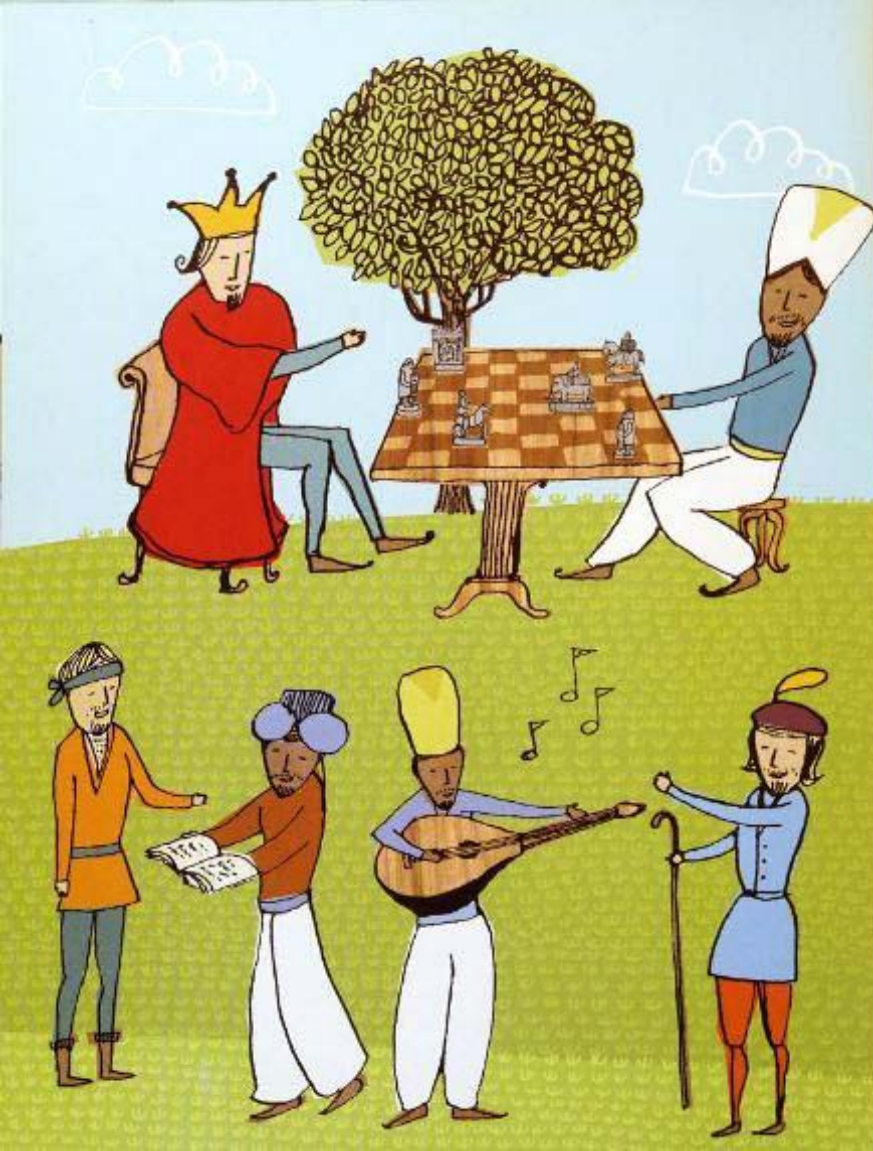
कुछ हफ़्तों और उसके बाद कुछ महीनों तक, हारुन ने शारलेमेन के लोगों का कलाकारों, संगीतकारों, विद्वानों, गणितज्ञों, वास्तुकारों और कवियों से परिचय कराया. राजदूतों ने जो कुछ देखा और सीखा, उससे वे चकित रह गए. बगदाद के लोग विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और कला के बारे में वो चीज़ें जानते थे जो यूरोपीय लोगों को भी नहीं पता थीं. यूरोपीय मेहमानों को संगीत कार्यक्रमों के साथ बढ़िया भोजन खिलाया गया. उन्हें बर्फ से बना शर्बत भी पिलाया गया!!

ये सभी चमत्कार सही थे.

मैं कसम खाता हूँ.
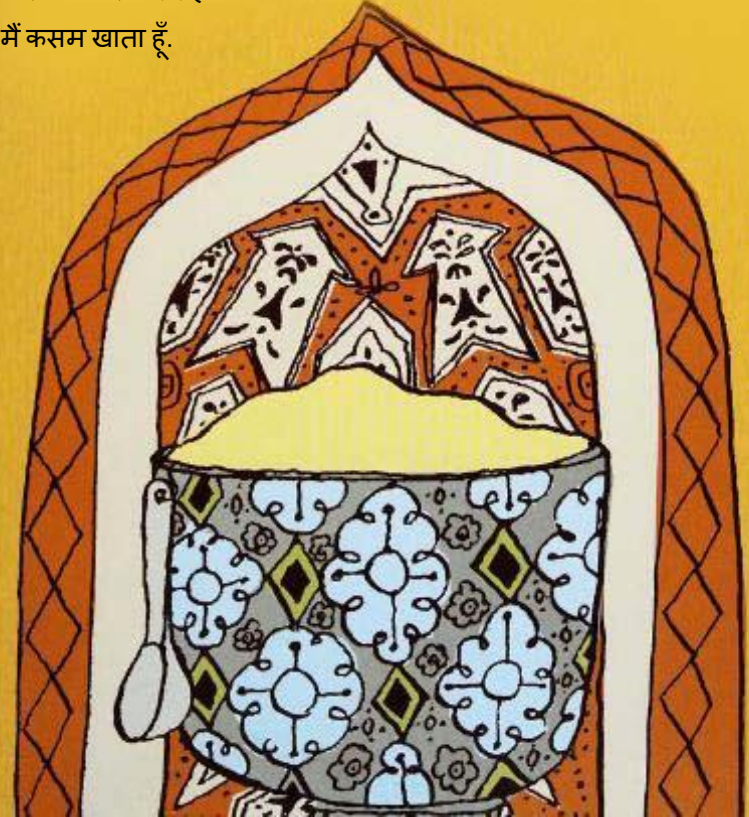
अंत में राजदूतों के शारलेमेन के दरबार में लौटने का समय आया. लेकिन हारुन अल-राशिद नहीं चाहते थे कि मेहमान खाली हाथ वापस जाएं. उन्होंने अपने साथी सम्राट शारलेमेन के लिए उपहारों का एक कारवां भेजने का निर्णय लिया.

हारून द्वारा भेजा
कीमती पानी का जग

हारुन का भेजा कृपाण और मयान का उपहार

लेकिन ये उपहार पर्याप्त नहीं थे.

और इसलिए हारुन ने अपने कारीगरों को एक शानदार घड़ी बनाने का आदेश दिया. हर घंटे बाद, पीतल के भार एक बड़ी थाली (झांझ) पर आकर गिरते थे और समय की घोषणा करते थे. घड़ी के चेहरे पर बारह दरवाजे थे. जैसे ही घंटी बजती, एक दरवाजा खुलता और उसमें से एक यांत्रिक घुड़सवार बाहर निकलता था.

यह घड़ी उन जादुई कहानियों की तरह थी, जिनका उल्लेख अरेबियन नाइट्स में है.

लेकिन यह उपहार भी पर्याप्त नहीं था.

हारुन पश्चिम के महान सम्राट को एक और कीमती वस्तु भेजना चाहते थे.

उन्होंने बहुत सोच-विचार किया, और अंत में फैसला किया कि शारलेमेन के योग्य उनके दरबार के खजाने में सबसे अधिक दुर्लभ - अबू नाम का एक हाथी था.

अबू जब पैदा हुआ, तो उसकी त्वचा का कोई रंग नहीं था, जिसके कारण वो सफेद हो गया. वो इतना मूल्यवान था कि उसका रक्षक इसहाक नाम का एक यहूदी हमेशा अबू के साथ रहता था. जहां अबू जाता वहां इसहाक भी जाता, वो अबू के साथ खाता और सोता भी था. इसलिए, निश्चित रूप से, इसहाक को भी शारलेमेन के राजदूतों के साथ ही जाना था. फिर उन्होंने अपनी वापसी की लंबी यात्रा शुरू की.
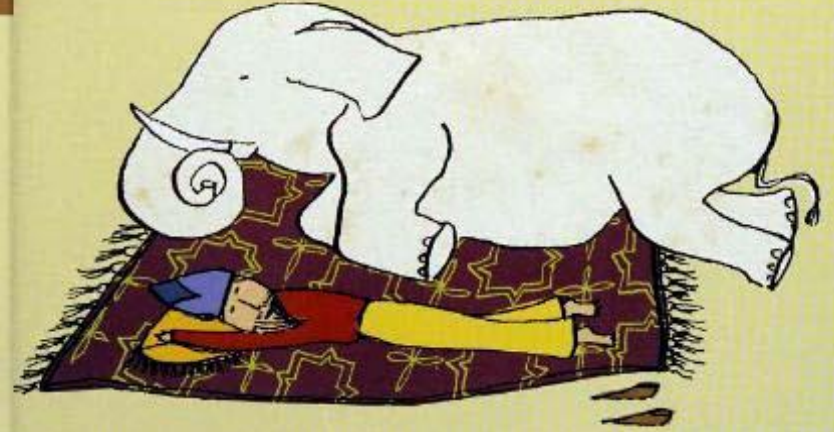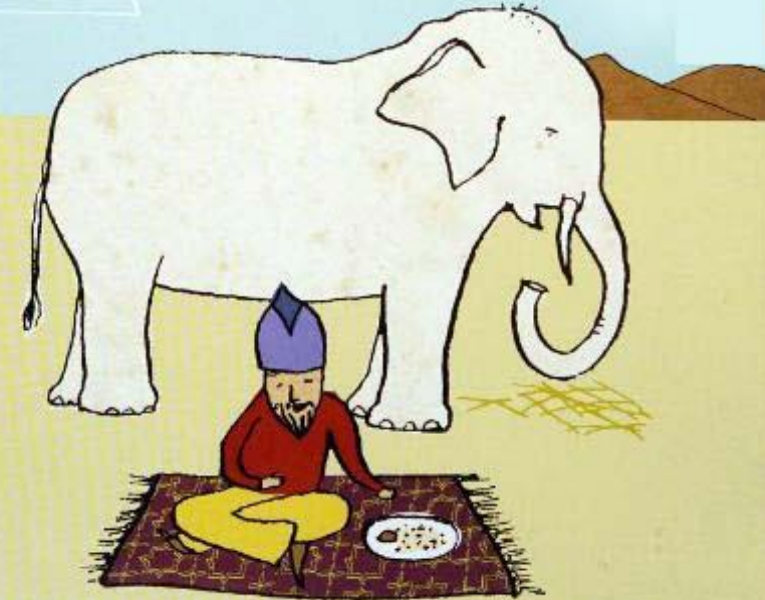
घड़ी और अन्य ख़ज़ानों के साथ, पार्टी ने बगदाद से अपनी वापसी यात्रा शुरू की. अबू की पीठ पर एक हौदे में हारुन की शानदार घड़ी थी. सम्राट शारलेमेन के लिए एक उपहार, दूसरे उपहार के ऊपर रखा था.

वो कारवां ज़रूर एक आश्चर्यजनक नजारा रहा होगा! लेकिन यह सच है. कसम से.
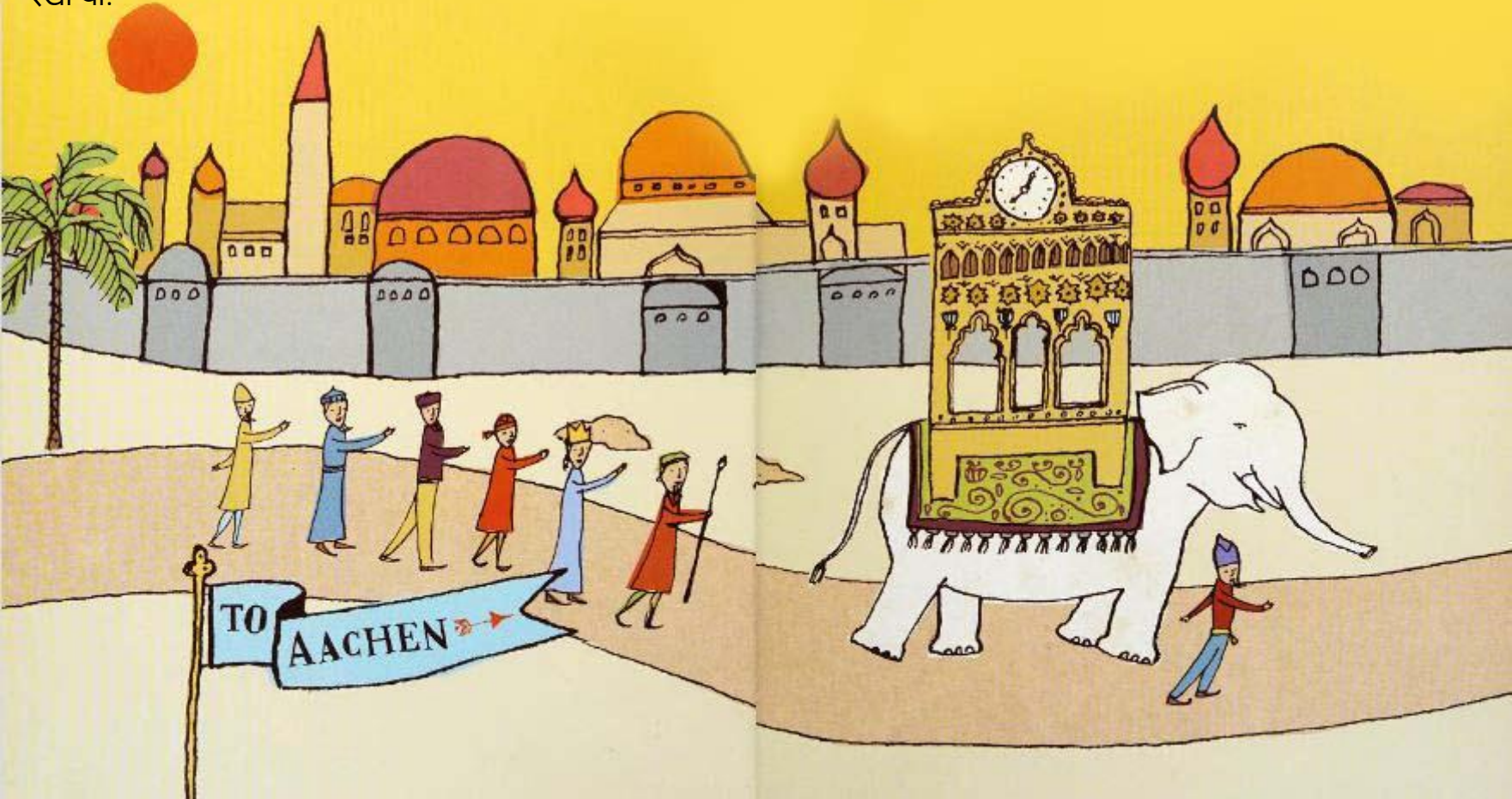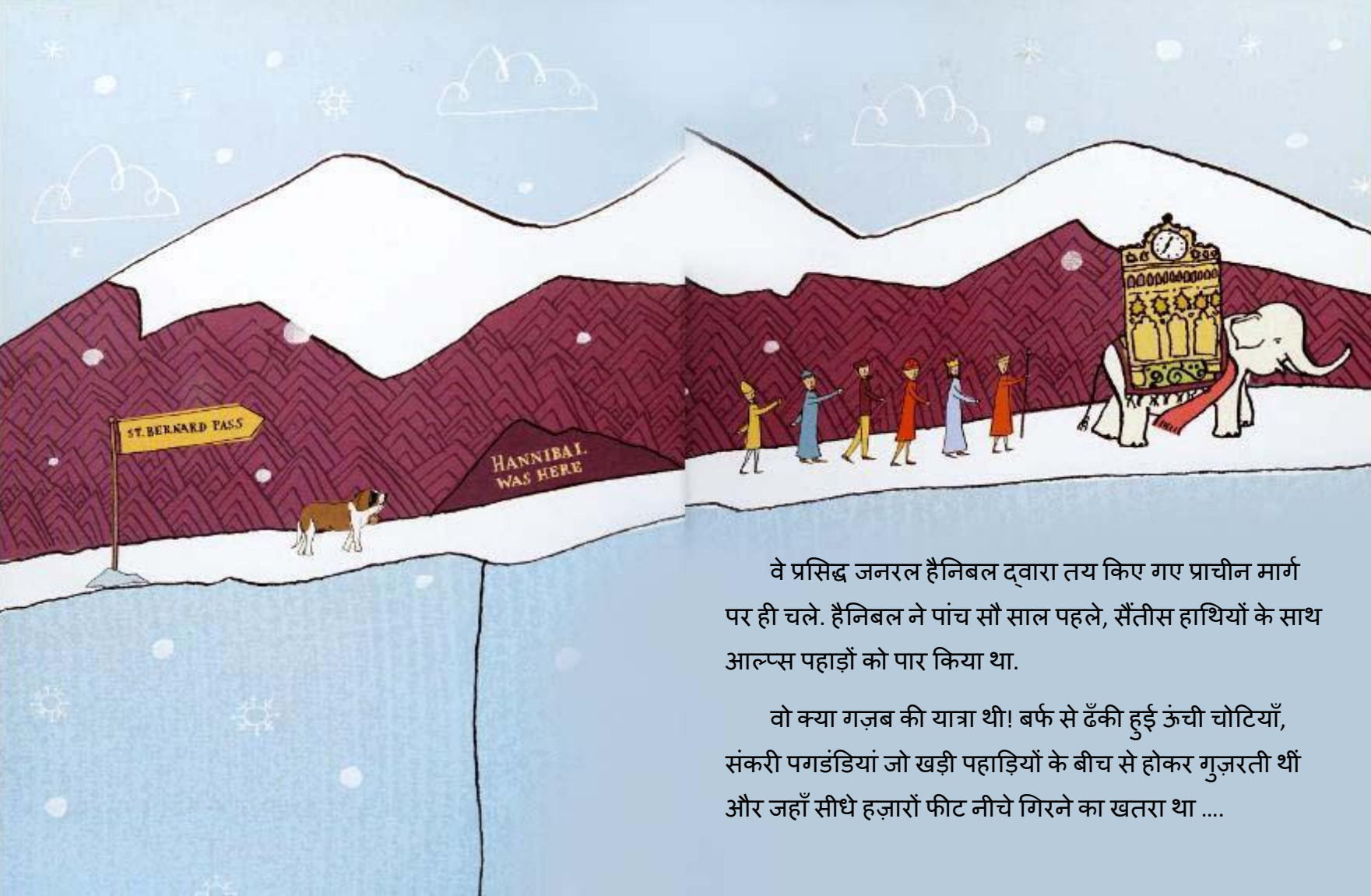
वे प्रसिद्ध जनरल हैनिबल द्वारा तय किए गए प्राचीन मार्ग पर ही चले. हैनिबल ने पांच सौ साल पहले, सैंतीस हाथियों के साथ आल्प्स पहाड़ों को पार किया था.

वो क्या गज़ब की यात्रा थी! बर्फ से ढँकी हुई ऊंची चोटियाँ, संकरी पगडंडियां जो खड़ी पहाड़ियों के बीच से होकर गुज़रती थीं और जहाँ सीधे हज़ारों फीट नीचे गिरने का खतरा था ....

अंत में, वर्ष 802 की जुलाई में, लगभग दो साल की यात्रा के बाद, कारवां शारलेमेन के दरबार में वापिस पहुंचा.

मुझे नहीं पता कि शारलेमेन को क्या ज़्यादा पसंद आया - अबू या उस पर लदी विशाल घड़ी! हाथी ने अपनी सूंड हवा में उठाई और फिर इसहाक ने उसे सड़कों पर परेड कराया. ऐसा लगा जैसे चीखती हुई भीड़ से अबू कह रहा हो, "मैं तुम्हें सलाम करता हूँ!"
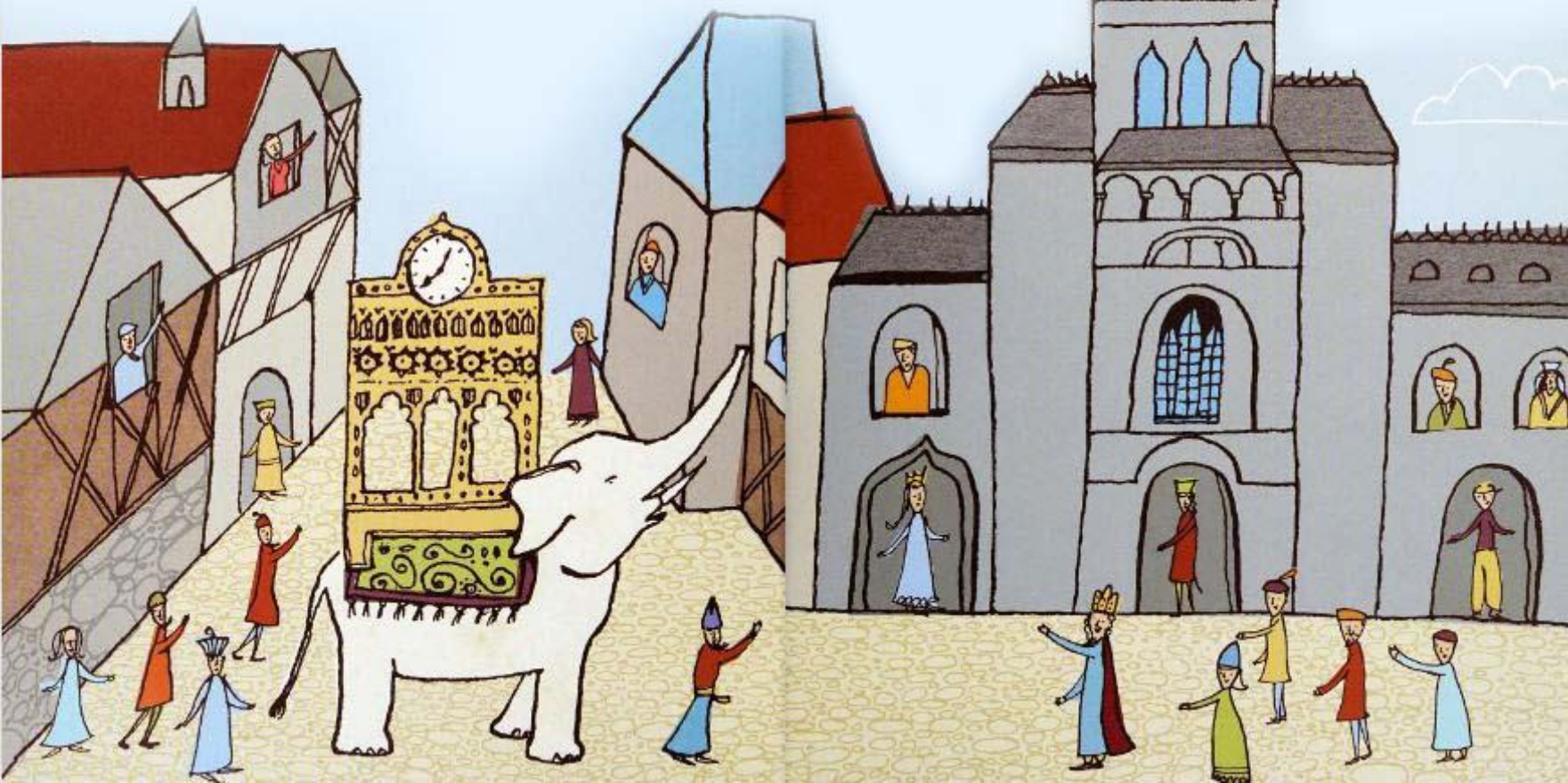
शारलेमेन ने अबू और इसहाक को अपने महल में रहने के लिए आमंत्रित किया. दिन में एक-दो बार शारलेमेन अपने विशाल अतिथि से मिलने जाता था. अबू के खाने के लिए सुबह-सुबह घास और छाल के ढेर लाए जाते थे.
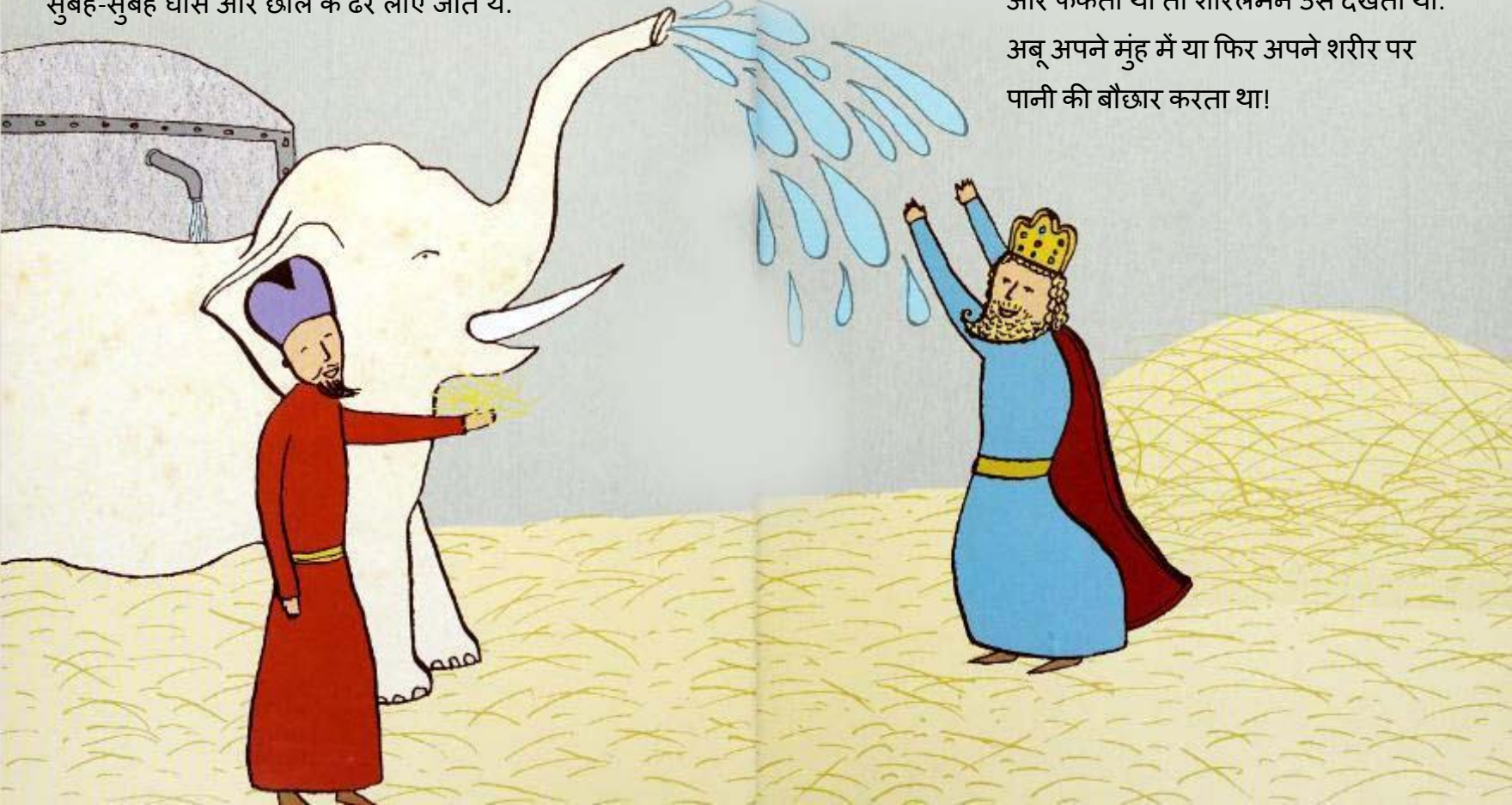
एक विशाल गड्ढे में अबू के लिए हमेशा ताजा पानी भरा रहता था, और जब अबू अपनी सूंड उसमें डूबाता था, पानी को चूसता और फेंकता था तो शारलेमेन उसे देखता था. अबू अपने मुंह में या फिर अपने शरीर पर पानी की बौछार करता था!

शारलेमेन ने मेहमान राजाओं और रानियों को अपना सुंदर अबू दिखाया. अबू को देखने के लिए सम्राट के कई बच्चे भी आए. शारलेमेन ने अपने दरबार में कलाकारों को उस असाधारण प्राणी के चित्र बनाने के आदेश दिए. पूरे साम्राज्य में अबू की छवि, वहां के सिक्कों और कपड़ों पर दिखाई दी.
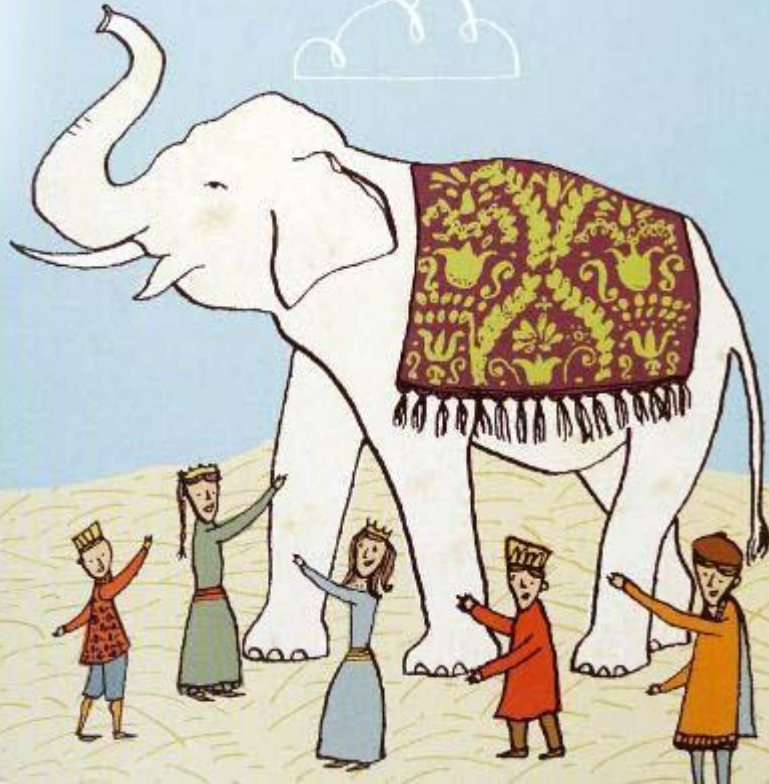
आचेन शहर में शारलेमेन के मकबरे में पाए जाने वाला हाथियों के डिज़ाइन का बुना हुआ रेशमी कपड़ा.

शारलेमेन ने अबू को कवच पहनाया और फिर उस पर सवारी करके वो अपने डेनिश दुश्मनों के खिलाफ लड़ाई में उतारा. सफ़ेद हाथी को देखकर दुश्मन के सैनिक इतने भयभीत हुए, कि उन्होंने अपने हथियार गिरा दिए और मैदान से भाग गए. उन्हें लगा जैसे अबू जादू से पैदा किया गया था!

अब अबू अपने मालिक की तरह ही बूढ़ा होने लगा था. शारलेमेन ने अबू और इसहाक के लिए ऑग्सबर्ग शहर में नदी के पास एक घर बनवाया, जहां अबू रोज़ नहा सकता था. शारलेमेन अक्सर अपने दोस्त अबू से मिलने आता और उसकी सूंड को थपथपाता था. "हेलो, मेरे बहादुर दोस्त," वो कहता.
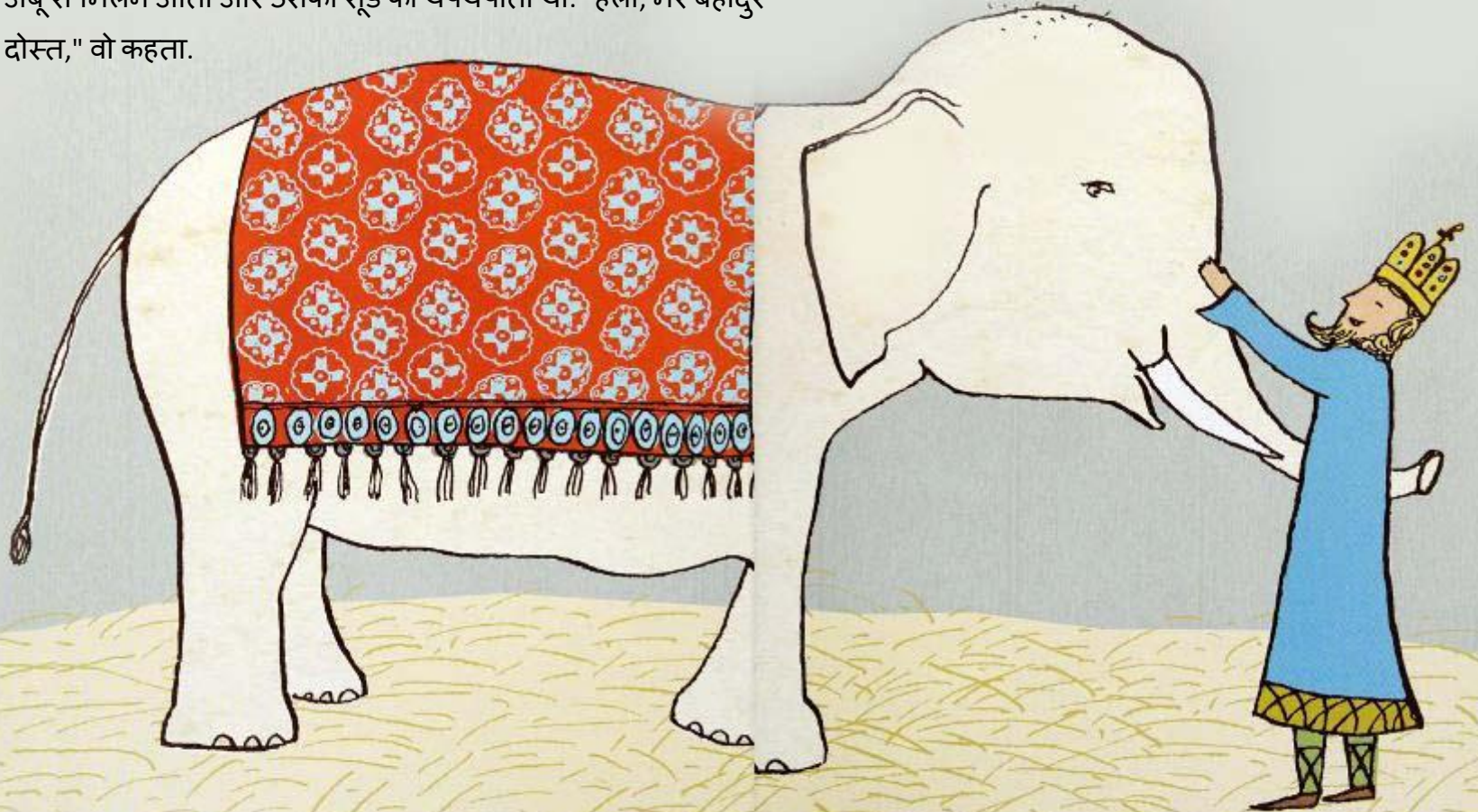
अंत में, 810 में, अबू की मृत्यु हो गई.

जब शारलेमेन को अपने पुराने दोस्त की मौत का पता चला, तो वो रो पड़ा.

किसी ने सोचा नहीं था कि पश्चिम के महान सम्राट और पूर्व से एक सफेद हाथी के बीच इतनी गहरी दोस्ती होगी?

पर मुझे शायद इसका कारण पता है. सम्राट और सफ़ेद हाथी दोनों असामान्य थे और कुछ अजीब परिस्थितियों के कारण, वे एक-दूसरे को समझते थे. एक आदमी और एक हाथी, आप कहेंगे?

यह कैसे संभव हो सकता है?

लेकिन यह सच था. मैं कसम खाकर कह सकता हूँ!

समाप्त